प्रौद्योगिकी को स्वीकार किए बिना प्रगति नहीं : राज्यपाल

यूटीयू में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव का किया उद्घाटन

जागरण संवाददाता, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में आयोजित पांचवें अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव-2024 का बुधवार को उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी वर्तमान समय की जरूरत है, इसे स्वीकार किए बिना हमारी प्रगति संभव नहीं है। यदि हमें प्रत्येक क्षेत्र में विकास करना है तो विज्ञान और तकनीक के साथ चलना ही होगा। क्योंकि आज के दौर में यह हर समाज, देश की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि समय के साथ जो तकनीकी परिवर्तन हो रहे हैं, उसी के अनुसार हमें खुद को ढालना जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि स्कूली जीवन से ही छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया जाना चाहिए। इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव मील का पत्थर साबित होगा। राज्यपाल ने छात्रों से कहा कि आप सभी अपने अंदर वैज्ञानिक चेतना व नवाचार की सोच विकसित करें। आप सभी ... तकनीकी की ज्योति जले। राज्यपाल ने आयोजकों से महोत्सव के माध्यम से अधिक से अधिक छात्रों को लाभान्वित करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल यूटीयू के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह, महानिदेशक यूकास्ट प्रो.दुर्गेश पंत, निदेशक यूसर्क प्रो. अनिता रावत, यूटीयू के कुलसचिव ... आदि मौजूद रहे।

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में प्रारंभ हुए पांचवें अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन का उद्घाटन करते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह सेनि.। साथ में तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल, यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, यूसर्क की निदेशक प्रो.अनीता रावत ▪ साभार- सूचि

चार दिवसीय महोत्सव में होंगे तकनीक और विज्ञान आधारित 30 से अधिक कार्यक्रम

कार्यक्रम:चार दिवसीय महोत्सव में 30 से अधिक तकनीक और विज्ञान आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों एवं विज्ञानी प्रौद्योगिकी आधारित संस्थाओं ने नवाचार पर आधारित प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया है। राज्यपाल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छात्रों के प्रोजेक्ट्स की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

छात्रों के चंद्रयान और तेजस माडल को मिली सराहना

जागरण संवाददाता, देहरादून : अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव में स्कूली छात्र-छात्राओं ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, ऐपण कला, नवीन कृषि प्रणाली, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर माडलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने बाल विज्ञानियों की ओर से तैयार किए गए चंद्रयान, जेट फाइटर तेजस और मिसाइल जैसे माडल को देख प्रसन्नता व्यक्त की। विश्वास जताया कि देश का भविष्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से संवर रहा है।

उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के झाझरा कैंपस में आयोजित महोत्सव में राजकीय इंटर कालेज के मालदेवता के छात्र आयुष, रजनी कुमारी व ज्योति के सोलर एनर्जी और पारिस्थितिकी तंत्र के माडल देख तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल से छात्र-छात्राओं को जमकर प्रशंसा की। कहा कि यदि हम इस प्रकार की पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखना चाहते हैं तो सबसे पहले पर्यावरण संरक्षण करना होगा। पर्यावरण सुरक्षा जागरूकता के प्रचार-प्रसार में छात्र-छात्राओं की अहम रोल है। बुक्सा जनजाति इंटर कालेज शिशमबाड़ा के 12वीं के छात्र आरती, राधा एवं मोहन सिंह ने ऐपण कला, भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी नदियों के पहाड़ों से मैदान की ओर बहने का चित्रण देख यूटीयू के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने प्रशंसा की।

यूसर्क के चेतना केंद्र विद्यालयों के ... इंटर कालेज भीमावाला से 11 विद्यार्थी, राजकीय इंटर कालेज से 15, बुक्स जनजाति इंटर कालेज शिशमबाड़ा के 21, राजकीय इंटर कालेज सभावाला विकासनगर से 2... सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज मांडूवाला के 20 विद्यार्थी महोत्सव में ...

उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में प्रारंभ हुए पांचवें अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए ▪ जागरण

> विद्यार्थियों को यूसर्क के विद्यालयों में गठित चेतना केंद्र के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव में शामिल किया गया है। इस प्रकार की प्रतियोगिता बड़े स्तर पर आयोजित होने और उसमें ग्रामीण परिवेश के बच्चों को भाग लेने का मौका मिलने से विद्यार्थी प्रसन्न है। यूसर्क का उद्देश्य है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी से राज्य का प्रत्येक विद्यालय और छात्र जुड़े।
>
> – प्रो. अनीता रावत निदेशक, यूसर्क।